श्री गायत्री चालीसा

ह्रीं श्रीं क्लीं मेधा प्रभा जीवन ज्योति प्रचण्ड ।
शांति क्रान्ति जागृति प्रगति रचना शक्ति अखण्ड ॥ १ ॥

जगत जननि मंगल करनि गायत्री सुखधाम ।
प्रणवों सावित्री स्वधा स्वाहा पूरन काम ॥ २ ॥

भूर्भुव: स्व:ॐ युत जननी । गायत्री नित कलिमल दहनी ॥ ३ ॥
अक्षर चौबिस परम पुनीता । इनमें बसें शास्त्र श्रुति गीता ॥ ४ ॥

शाश्वत सतोगुणी सतरूपा । सत्य सनातन सुधा अनूपा ॥ ५ ॥
हंसारूढ श्वेताम्बर धारी । स्वर्णकांति शुचि गगन बिहारी ॥ ६ ॥

पुस्तक पुष्प कमंडलु माला । शुभ्र वर्ण तनु नयन विशाला ॥ ७ ॥
ध्यान धरत पुलकित हिय होई । सुख उपजत दु:ख दुरमति खोई ॥ ८ ॥

कामधेनु तुम सुर तरु छाया । निराकार की अद्भुत माया ॥ ९ ॥
तुम्हरी शरण गहै जो कोई । तरै सकल संकट सों सोई ॥ १० ॥

सरस्वती लक्ष्मी तुम काली । दिपै तुम्हारी ज्योति निराली ॥ ११ ॥
तुम्हरी महिमा पार न पावें । जो शारद शत मुख गुण गावें ॥ १२ ॥

चार वेद की मातु पुनीता । तुम ब्रह्माणी गौरी सीता ॥ १३ ॥
महामन्त्र जितने जग माहीं । कोऊ गायत्री सम नाहीं ॥ १४ ॥

सुमिरत हिय मैं ज्ञान प्रकासै । आलस पाप अविद्या नासै ॥ १५ ॥
सृष्टि बीज जग जननि भवानी । कालरात्रि वरदा कल्याणी ॥ १६ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

www.viswakalyanam.org

ब्रह्मा विष्णु रुद्र सुर जेते । तुम सौं पावें सुरता तेते ॥ १७ ॥
तुम भक्तन की भक्त तुम्हारे । जननिहिं पुत्र प्राण ते प्यारे ॥ १८ ॥

महिमा अपरम्पार तुम्हारी । जै जै जै त्रिपदा भय हारी ॥ १९ ॥
पूरित सकल ज्ञान विज्ञाना । तुम सम अधिक न जग में आना ॥ २० ॥

तुमहिं जानि कछु रहै न शेषा । तुमहिं पाय कछु रहै न क्लेषा ॥ २१ ॥
जानत तुमहिं, तुमहिं ह्वै जाई । पारस परसि कुधातु सुहाई ॥ २२ ॥

तुम्हरी शक्ति दिपै सब ठाई । माता तुम सब ठौर समाई ॥ २३ ॥
ग्रह नक्षत्र ब्रह्माण्ड घनेरे । सब गतिमान तुम्हारे प्रेरे ॥ २४ ॥

सकल सृष्टि की प्राण विधाता । पालक पोषक नाशक त्राता ॥ २५ ॥
मातेश्वरी दया व्रत धारी । तुम सन तरे पातकी भारी ॥ २६ ॥

जापर कृपा तुम्हारी होई । तापर कृपा करें सब कोई ॥ २७ ॥
मन्द बुद्धि ते बुधि बल पावें । रोगी रोग रहित ह्वै जावें ॥ २८ ॥

दारिद मिटे कटै सब पीरा । नाशै दु:ख हरे भव भीरा ॥ २९ ॥
गृह कलेश चित चिन्ता भारी । नासै गायत्री भय हारी ॥ ३० ॥

सन्तति हीन सुसन्तति पावें । सुख सम्पत्ति युत मोद मनावें ॥ ३१ ॥
भूत पिशाच सबै भय खावें । यम के दूत निकट नहिं आवें ॥ ३२ ॥

जो सधवा सुमिरें चित लाई । अछत सुहाग सदा सुखदाई ॥ ३३ ॥
घर वर सुख प्रद लहैं कुमारी । विधवा रहे सत्य व्रत धारी ॥ ३४ ॥

जयति जयति जगदम्ब भवानी । तुम सम और दयालु न दानी ॥ ३५ ॥
जो सद्गुरु सों दीक्षा पावें । सो साधन को सफल बनावें ॥ ३६ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

सुमिरन करें सुरुचि बडभागी । लहैं मनोरथ गृही विरागी ॥ ३७ ॥
अष्ट सिद्धि नवनिधि की दाता । सब समर्थ गायत्री माता ॥ ३८ ॥

ऋषि मुनि यती तपस्वी जोगी । आरत अर्थी चिंतित, भोगी ॥ ३९ ॥
जो जो शरण तुम्हारी आवें । सो सो मन वांछित फल पावें ॥ ४० ॥

बल बुद्धि विद्या शील स्वभाऊ । धन वैभव यश तेज उछाऊ ॥ ४१ ॥
सकल बढें उपजे सुख नाना । जो यह पाठ करे धरि ध्याना ॥ ४२ ॥

यह चालीसा भक्तियुत पाठ करे जो कोई ।
तापर कृपा प्रसन्नता, गायत्री की होय ॥ ४३ ॥
ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि ॥ ४४ ॥

इति श्री गायत्री चालीसा सम्पूर्ण

www.viswakalyanam.org

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133